

छैने भजे सारी रात भवन पर गाउ में खुशियां मनाऊ में

छैने भजे सारी रात भवन पर गाउ में खुशियां मनाऊ में

माँ के दर पे आके सवाली कभी न खाली जायेगे,
सुख करनी दुःख हरनी माँ से झोली भर के ले जाएगा,
ज्योति जगे दिन रात भवन पर गाउ में खुशियां मनाऊ में
छैने भजे सारी रात.....

भूल गया जो अपनी मंजिल उसको राह दिखलाती है,
श्रद्धा भाव से जो भी आता उस को गले लगाती है,
भवन पर गाउ में खुशियां मनाऊ में
छैने भजे सारी रात

कितना सूंदर रूप है माँ का भगतो के है मन को भाता,
आओ माँ की नजर उतारे काला टिका माँ को लगाये,
बोल रहे जय कार भवन पर गाउ में खुशियां मनाऊ में
छैने भजे सारी रात

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12910/title/chene-bhje-sari-raat-bhawan-par-gau-main-khushiyan-mnaau-main>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |